

Dr.pragya kumari  
Asst.prof.  
Dept.of psychology  
H.D.Jain college Ara

# Working Memory

Date \_\_\_\_\_

Page \_\_\_\_\_

Working memory जिसे STM कहा जाता  
था, को खतरा - STM से मिला-पाया-  
गया - <sup>99</sup> तथा - इसे खतरा <sup>99</sup> से -  
अलग से परिभाषित - भी - किया - है ।

Working memory के संयोजन का  
प्रतिपादन - ब्रिटिश मनोवैज्ञानी - <sup>99</sup> ~~रॉबर्ट~~

Alan Baddeley, 2003 द्वारा किया गया।  
STM से तात्पर्य सुनना - के सिर्फ -

अस्थायी - संयोजन - से होता है परन्तु -  
Working memory से तात्पर्य - ऐसे  
Memory से होता है जिसमें सुननाओं का  
संयोजन - किया जाता है तथा साथ ही -

साथ - उसे - Processing भी किया जाता  
है। अतः Working memory में

सुननाओं का - संयोजन - क्षमता - तथा सुननाओं  
को संसाधित - करने की क्षमता - दोनों  
ही - सम्मिलित - होता है।

जैसे यदि हम कोई Mobile

No. 993342 <sup>99</sup> को देखकर - सिर्फ  
30 सेकेंड - तक संयोजन - करके मन - में रखते  
है तो यह STM है परन्तु यदि हम इसे -

30 सेकेंड तक संयोजन - करने के साथ - 2  
दूसरे का वस प्रकार - संसाधित - करते हैं

कि इसके - आरंभ - तथा - अंत में 9 है



तथा - बीच में पहले दो उ तथा फिर -  
दो 80 है तो यह working memory  
का उदाहरण - होगा।

Modern Psychologist ने जो  
work bench कहा है अर्थात् यह ऐसी-  
जगह होती है जहाँ आगे वर्तमान में  
उपयोग - की जाने वाली - सूचनायें मौजूद  
होती हैं तथा - संसाधित - होती हैं।

Rains के अनुसार - working  
memory के दो मुख्य - elements होते  
हैं।

(i) workspace तथा (ii) Executive  
Function.

workspace से ताक्या -  
general temporary store, कई तरह  
के specialized temporary storage  
system तथा - किसी समय में इन  
content पर - उपयोग - किये जाने वाले -  
विशेष प्रक्रियाओं से - होता है।

Executive function जिसके  
माध्यम से - working memory में  
होने वाली - क्रियाओं का एक - overall  
coordination का देख रख संभव  
संभव - होता है।

Miller 1956 के अनुसार - working

memory की - संयंत्र- क्षमता - लगभग-  
सात पुथक एकांशों ( दो अल्पक या कम )  
की होती है । सूचनाओं एवं एकांशों की  
संख्या - इससे ज्यादा - होने पर - स्मृति-  
त्रं over loaded हो जाता है और यदि-  
कोई - नयी सूचना - ऐसी स्थिति में  
प्रवेश - करती है , तो पुरानी - सूचना -  
अपने आप खो जाता है । परन्तु ऐसा  
संग्रह - है कि - प्रत्येक एकांश - से - अलग-2  
सूचनाओं की - इकाई हो सकती - है ।  
ऐसे - इकाई - आपस में कुछ विशेष ढंग -  
से सम्बन्धित हो सकते हैं तथा - उन्हें  
अव्युक्ति - इकाई - से समूह - किया - जा  
सकता है । इस प्रक्रिया को - मनोवैज्ञानिकों  
ने chunking कहा है और प्रत्येक-  
चुंक में बड़ी - संख्या में सूचनाओं की  
रखा - जा सकता है - ।

=